

भारत में आतंकवाद की समस्या एवं समाधान

डॉ रणजीत सिंह

एसोशिएट प्रोफेसर - रक्षा एवं स्त्रातेजिक विभाग, समता पी. जी. कॉलेज, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)

सारांश

आतंकवादी समूहों का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच आतंक पैदा करना होता है और वे लोगों को निरंतर इसी डर और खौफ के साथ देखना पसंद करते हैं तथा इस उद्देश्य पुरा करने के लिए वो समय-समय पर विभिन्न छोटी-बड़ी आतंकवादी गतिविधियां करते रहते हैं। भारत में लगभग 100 से भी अधिक आतंकवादी संस्थाएं चल रही हैं और वे देश में तनाव और भय का माहौल उत्पन्न करने में सफल भी हो रही हैं। इन आतंकवादी समूहों द्वारा कई आतंकवादी गतिविधियां की गई हैं। भारत अपने पड़ोसी देश द्वारा मुख्य रूप से पाकिस्तान द्वारा किए गए आतंकवादी कृत्यों से बहुत हानि हुई है।

भारत में संचालित कुछ प्रमुख आतंकवादी समूह यहां दिए गए हैं:

- जैश-ए-मोहम्मद: यह जम्मू-कश्मीर में संचालित एक पाकिस्तानी आतंकवादी समूह है, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करना है। इस समूह ने घाटी के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए कई आतंकवादी हमलों को भी अंजाम दिया है।
- लश्कर-ए-तैयबा: यह एक इस्लामवाद आतंकवादी समूह है जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के साथ-साथ भारत के जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रों में भी काम कर रहा है। इसे पाकिस्तान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है और ये भारत में कई बड़े आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार है।
- माओवादी: 2004 के वामपंथी आतंकवादियों और भारत सरकार के बीच वार्ता के बाद, नक्सली समूहों के विलय से इस आतंकवादी समूह का निर्माण हुआ था।
- यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ़ असम (उल्फा): यह आतंकवादी समूह भारतीय राज्य असम में विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है।

परन्तु विडमबना यह है कि इन आतंकवादी समूहों द्वारा किये गये बम धमाको और आतंकवादी गतिविधियों के बावजूद भी, ज्यादातर समय सरकार इन तक पहुंचने और इनके विरुद्ध कड़ी कारवाइ करने में असफल साबित हुई है।

परिचय

भारत विभिन्न धर्मों की भूमि है। विभिन्न धर्मों के लोग बड़े पैमाने पर देश में शांति और सद्भाव के साथ रहते हैं, वहीं कई ऐसी धार्मिक चरमपंथी संगठन भी हैं जो उनके बीच दरार पैदा करना चाहती हैं। ये समूह अपने धर्म की शिक्षाओं के बारे में झूठा दावा करती हैं और यह साबित करने का प्रयास करती हैं कि उनका धर्म दूसरों के धर्म से श्रेष्ठ है। अतीत में इन समूहों द्वारा किए गए कई हिंसक आंदोलनों ने देश की शांति और सद्भाव को भंग भी किया है और इस प्रकोप के कारण कई लोग को नुकसान भी हुआ है, जिसमें कई लोगो को अपनी जीवन भी गवाना पड़ा है। चरमपंथी समूहों द्वारा इस प्रकार के आतंकवाद को सदैव उकसाया जाता है। जब एक राज्य की आबादी का प्रमुख हिस्सा खुद को अलग करने तथा अपना अलग राज्य/देश बनाने की इच्छा व्यक्त करता है तो वो आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पंजाब में खालिस्तान आंदोलन इस प्रकार के आतंकवाद के उदाहरणों में से एक है। इस तरह के आतंकवाद के कारण कश्मीर जैसा सुंदर भारतीय राज्य भी इससे पीड़ित है क्योंकि कुछ कश्मीरी इस्लामी समूह कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बनाना चाहते हैं। उसी तरह नागालैंड, त्रिपुरा, असम और तमिलनाडु भी इस प्रकार के आतंकवाद से पीड़ित हैं। सरकार तथा देश की राजनीतिक व्यवस्था से असंतुष्ट लोग आतंकवादी समूह का गठन करते हैं। भारत में वामपंथी उग्रवादियों को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। अतीत में नक्सलवादियों ने देश की राजनीतिक व्यवस्था से निराश होकर कई आतंकवादी हमले भी किए हैं। उन्होंने सशस्त्र विद्रोह के साथ सरकार को उखाड़ फेंकने का लक्ष्य बनाया है, जिससे वह स्वयं की सत्ता का निर्माण कर सके। भारत अपने सामाजिक-आर्थिक असमानता के लिए जाना जाता है। जहां अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब और

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 8, August 2016

गरीब। ये गरीब वर्ग के बीच असमानता की भावना पैदा करता है। जिसके कारण ये ऊपरी वर्ग के लोगों को नष्ट करने के लिए आतंकवादी संगठनों में शामिल हो जाते हैं। वे ज्यादातर सत्ता लोगों तथा उच्चवर्गीय इलाकों को लक्ष्य बना कर आतंकवादी हमले करते हैं। भारत में आतंकवाद ने आम जनता के बीच आतंक पैदा किया है। हर समय देश में एक विस्फोट, फायरिंग या अन्य प्रकार की आतंकवादी गतिविधियां होती रहती है। इसके कारण, कई लोग असामयिक रूप से मरे जाते हैं और अन्य कई लोगों को अपना बाकी का जीवन विकलांग के रूप में गुजारना पड़ता है। इन हमलों के कारण आम जनता के बीच तनाव और चिंता का माहौल तथा डर पैदा हो जाता है और लोग अपने घरों से बाहर निकलने में भी डर लगने लगता है। लोग, आतंकवादी हमलों से ग्रस्त स्थानों पर जाने से डरते हैं। बाहरी और अंदरूनी आतंकवादी संगठनों के आतंकवादी गतिविधियों के वजह से भारत के पर्यटन उद्योग और शांति व्यवस्था पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा है। आतंकवादी गतिविधियों के वजह से पर्यटन उद्योग कई महीनों के लिये ठप पड़ जाता है। विदेशी निवेशक भारत और अन्य आतंकवाद से ग्रस्त देशों में निवेश से पहले कई बार सोचते हैं, क्योंकि ऐसे जगहों पर जोखिम काफी अधिक होता है और वे सुरक्षित विकल्पों की तलाश में होते हैं। जिससे भारतीय कारोबारियों को भी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है।[1]

विचार – विमर्श

भारत की अर्थव्यवस्था पर आतंकवाद का प्रतिकूल असर देखने को मिलता है। कई भारतीय प्रमुख शहरों पर आतंकवादी हमलों का प्रभाव पड़ा है, जिससे संपत्ति और व्यवसायों का नुकसान हुआ है, वहीं ऐसे मामलों में पुनरुत्थान लागत काफी अधिक होता है। उत्पादक कार्यों में उपयोग की जा सकने वाली देश की संपत्ति, आतंकवादी हमलों के कारण होने वाली हानि को भरने में निवेश की जाती है। इसके अलावा, पर्यटन उद्योग में गिरावट, भारत में निवेश करने के लिए विदेशी निवेशकों की कमी और भारत में आतंकवाद के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दरों में वृद्धि, देश की अर्थव्यवस्था पर एक बड़ा नकारात्मक प्रभाव डालता है। भारत में कई प्रतिभाशाली युवा, देश की निम्न गुणवत्ता और आतंकवादी हमलों के अनिश्चितताओं के कारण देश में नहीं रहना चाहते। वे संयुक्त राष्ट्र, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे विकसित देशों में स्थानांतरित हो जाते हैं जो आतंकवादी हमलों से कम प्रभावित होते हैं तथा आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं। इस कारण से, आतंकवादी गतिविधियों के कारण प्रतिभा पलायन में वृद्धि हुई है। आतंकवाद सिर्फ भारत देश तक ही सीमित नहीं है बल्कि ये पुरे विश्व की समस्या बन चुकी है। विभिन्न देशों तथा भारत में आतंकवादी समूहों के गठन के कारण भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। पर इन कारणों में मुख्य रूप से सामाजिक-आर्थिक असमानता, भेदभाव/अलगाव, सत्तारूढ़ दल, धार्मिक उग्रवाद और जातीय राष्ट्रवाद के कामकाज से असंतोष शामिल हैं।

इस दुनिया में लगभग हर देश, ऊपर बताये गये एक या अन्य समस्याओं से पीड़ित है और इसके कारण इन देशों के भीतर विभिन्न आतंकवादी संगठनों का गठन हुआ है। ये आतंकवादी संगठन आम जनता के बीच डर का माहौल बनाये रखने के लिए समय-समय पर देश के भीतर आतंकवादी हमले करते रहते हैं तथा विभिन्न देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को जन्म देती है। जिससे धार्मिक उन्माद, आर्थिक असमानता, विकासशील देशों को प्रदान की जाने वाली सहायता में अंतर के कारण प्रतिद्वंद्विता या घृणा की भावना विकसित हो जाती है। पाकिस्तान द्वारा भारत और विभिन्न देशों पे किये गये हमले अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का स्पष्ट उदाहरण हैं।[2]

पाकिस्तान, सीरिया, भारत, रूस, मिस्र, इराक, लीबिया, नाइजीरिया, इज़राइल, फिलीपींस, कोलंबिया, सोमालिया, थाईलैंड, तुर्की, यमन और नेपाल जैसे देश पिछले दो दशकों में कई आतंकवादी हमलों से प्रभावित हुए हैं तथा वे दोनों घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हमलों से पीड़ित हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई 9/11 की घटना विश्व देश में सबसे जघन्य और प्रमुख आतंकवादी हमलों में से एक रही है। भारत में कई पुलिस, खुफिया और सैन्य संगठनों ने देश में आतंकवाद से लड़ने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई हैं।

परिणाम

महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के भारतीय राज्यों में आतंकवाद विरोधी दल (एटीएस) संचालित है। यह एक विशेष पुलिस बल है जिसने भारत में कई आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए विभिन्न प्रकार की रणनीतियां अपनाई हैं। वर्ष 1968 में स्थापित, राँ भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी है। यह आतंकवादी साजिशों को नाकाम करने में अपना योगदान देती है तथा काउंटर प्रसार को बढ़ावा देता है और भारत के परमाणु कार्यक्रम की रखवाली करता है। ये एजेंसी देश में आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित की गई है। दुर्भाग्यपूर्ण 2008 इसकी शुरुआत मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद हुई। इस एजेंसी को

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 8, August 2016

राज्यों से किसी विशेष अनुमति के बिना, किसी भी भारतीय राज्य में होने वाले आतंकवादी समूहों/गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार प्राप्त है। आतंकवाद ने भारत को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। आतंकवादी हमलों की वजह से हजारों निर्दोषों की जान गई है। आतंकवाद विरोधी एजेंसियों और उनकी उच्च रणनीतियों के गठन के बावजूद भी, आतंकवादी समूह अभी भी आतंकवादी गतिविधियों को पूरा करने में सफल हैं।

आतंकवादी हमलों के लिए भारत सरकार की प्रतिक्रिया कभी भी उतनी कठोर नहीं है जितनी होनी चाहिए। आतंकवादी गतिविधियों के लिए उचित रणनीतिक प्रतिक्रिया के अभाव, आतंकवादी संगठनों को निडरता से ऐसी गतिविधियों को करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

भारत में हाल में हुए कुछ बड़े आतंकवादी हमले का घटनाक्रम (उलटे क्रम में) इस प्रकार है-

फरवरी, 2010: महाराष्ट्र के पुणे शहर की मशहूर जर्मन बेकरी को आतंकवादियों ने निशाना बनाया। इसमें 16 लोग मारे गए, जिनमें से काफी विदेशी भी थे। एक बार फिर इंडियन मुजाहिदीन को जिम्मेदार ठहराया गया।

मुंबई, 26 नवम्बर 2008 : भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में आतंकवादियों ने घुसकर तीन दिनों तक दहशत फैलाई। पांचसितारा होटलों और रेलवे स्टेशन पर हुए बम धमाकों में 166 लोग मारे गए। भारत के ब्लैक कैट कमांडो की कार्रवाई में पाकिस्तानी नागरिक आमिर अजमल कसाब को छोड़ कर सारे आतंकवादी मारे गए। हमले की साजिश पाकिस्तान में रचे जाने की पुष्टि हुई है।

असम, 30 अक्टूबर 2008 : असम में 81 आतंकवादी हमलों में कम से कम 470 लोग मारे गए और सौ से ज्यादा लोग घायल हो गए।

इंफाल, 21 अक्टूबर 2008 : मणिपुर पुलिस कमांडो परिसर के नजदीक शक्तिशाली विस्फोट में 17 लोग मारे गए।

मालेगाँव (महाराष्ट्र), 29 सितंबर 2008 : भीड़भाड़ वाले बाजार में मोटरसाइकिल में रखे विस्फोटकों के विस्फोट होने से पाँच लोगों की मौत।

मोदासा (गुजरात), 29 सितंबर 2008 : एक मस्जिद के नजदीक कम तीव्रता वाले बम विस्फोट में एक की मौत, कई घायल।

नई दिल्ली, 27 सितंबर 2008 : महरौली के भीड़भाड़ वाले बाजार में बम फेंकने से तीन लोगों की मौत।

नई दिल्ली, 13 सितंबर 2008 : शहर के विभिन्न हिस्सों में छह बम विस्फोटों में 26 लोगों की मौत।

अहमदाबाद, 26 जुलाई 2008 : दो घंटे से कम समय के भीतर 20 बम विस्फोटों में 57 लोगों की मौत।

बेंगलुरु, 25 जुलाई 2008 : कम तीव्रता के बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत।

जयपुर, 13 मई 2008 : सिलसिलेवार बम विस्फोट में 68 लोगों की मौत।

रामपुर, जनवरी 2008 : रामपुर में सीआरपीएफ शिविर पर आतंकवादी हमले में आठ की मौत।

अजमेर, अक्टूबर 2007 : राजस्थान के अजमेर शरीफ में रमजान के समय दरगाह के अंदर विस्फोट में दो की मौत।

हैदराबाद, अगस्त 2007 : हैदराबाद में आतंकवादी हमले में 42 की मौत, 54 घायल।

हैदराबाद, मई 2007 : हैदराबाद की मक्का मस्जिद में विस्फोट में 11 की मौत।

फरवरी 2007 : भारत से पाकिस्तान जाने वाली ट्रेन में दो बम विस्फोटों में कम से कम 70 यात्री जल मरे, जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी थे।

मालेगाँव, सितंबर 2006 : मालेगाँव के एक मस्जिद में दोहरे बम विस्फोट में 40 लोगों की मौत और सौ लोग घायल।

मुंबई, जुलाई 2006 : मुंबई की ट्रेनों में सात बम विस्फोटों में 200 से ज्यादा लोगों की मौत और 700 अन्य घायल।

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 8, August 2016

वाराणसी, मार्च 2006 : वाराणसी के एक मंदिर और रेलवे स्टेशन पर दोहरे बम विस्फोट में 28 लोगों की मौत।

अक्टूबर 2005 : दीवाली से एक दिन पहले नई दिल्ली के व्यस्त बाजारों में तीन बम विस्फोटों में 70 लोगों की मौत और सैकड़ों लोग घायल।[4]

निष्कर्ष

भारत बहुत लम्बे समय से आतंकवाद का शिकार होता रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, असम, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं।

आतंकवाद भारत की प्रमुख सबसे बड़ी समस्या है, जिसने भारतीय शासन-व्यवस्था को जर्जर कर दिया है। आतंकवाद ने भारत की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि परिस्थितियों को प्रभावित किया है। अतः इसे दूर करना अत्यधिक आवश्यक है।

जो क्षेत्र आज आतंकवादी गतिविधियों से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं उनमें जम्मू-कश्मीर, मुंबई, मध्य भारत (नक्सलवाद) और सात बहन राज्य (उत्तर पूर्व के सात राज्य) (स्वतंत्रता और स्वायत्तता के मामले में) शामिल हैं। अतीत में पंजाब में पनपे उग्रवाद में आतंकवादी गतिविधियां शामिल हो गयीं जो भारत देश के पंजाब राज्य और देश की राजधानी दिल्ली तक फैली हुई थीं।

2006 में देश के 608 जिलों में से कम से कम 232 जिले विभिन्न तीव्रता स्तर के विभिन्न विद्रोही और आतंकवादी गतिविधियों से पीड़ित थे।[1] अगस्त 2008 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एम.के. नारायणन का कहना था कि देश में 800 से अधिक आतंकवादी गुट सक्रिय हैं।

आतंकवाद के कारण 9/11 का विश्व का सबसे बड़ा आतंकवाद हमला था।[5]

संदर्भ

1. "इंडिया एस्सेसमेंट - 2007". मूल से 16 अगस्त 2013 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 17 दिसंबर 2009.
2. ↑ "संग्रहीत प्रति". मूल से 9 अगस्त 2009 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 17 दिसंबर 2009.
3. ↑ 'बिग थ्री' होल्ड की दिल्ली टोक्स Archived 2013 at the Wayback Machine BBC न्यूज़
4. ↑ न्यु केरला में भारत, चीन, रूस के विदेशमंत्री सामरिक गठबंधन को बढ़ाने के लिए मिलते हैं Archived 2007 at the Wayback Machine
5. ↑ "Indian Police Arrest Islamic Cleric for Blasts". Reuters. 2006. मूल से 28 मई 2007 को पुरालेखित.